Ministry of Coal

CIL to extend Usance LC facility to Power and Non-Power consumers

Posted On: 09 APR 2020 11:50AM by PIB Delhi

Coal India Limited (CIL) is supplying about eighty percent of its coal to Power Sector consumers and 550 Million Tonne (MT) coal has been offered for power sector in the current year 2020-21. In order to provide relief to the power sector consumers and increase liquidity in the system, CIL has already allowed the facility of Usance Letter of Credit to power sector consumers for payment of coal instead of cash advance for the Fuel Supply Agreements (FSA). This shall help significantly in improving the working capital cycle of the generators.

CIL has also introduced the same mechanism for customers of Non-Power Sectors in the month of April 2020. This shall be a big boost to the liquidity in the markets and at the same time shall also provide the much anticipated relief to the consumers of coal.

****

RJ/NG

(Release ID: 1612425)

कोयला मंत्रालय

बिजली क्षेत्र और गैर-बिजली क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए 'यूजेन्स' रिण पत्र जारी करने की □विधा का विस्तार करेगी कोल इंडिया लिमिटेड

प्रविष्टि □िथि: 09 APR 2020 11:50AM by PIB Delhi

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) मौजूदा वित्त वर्ष 2020-21 में बिजली क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अपने कोयला भंडार के लगभग अस्सी प्रतिशत की आपूर्ति कर रही है और साथ ही बिजली क्षेत्र के लिए 550 मिलियन टन कोयला देने की पेशकश की है।

बिजली क्षेत्र के उपभोक्ताओं को राहत देने और कोयले की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सीआईएल ने ईंधन आपूर्ति समझौते (एफएसए) के तहत अग्रिम नकद भुगतान की बजाए भविष्य में एक निश्चित अवधि में भुगतान की सुविधा वाला (यूजेन्स) रिण पत्र जारी करने की सुविधा प्रदान की है। इससे बिजली उत्पादक कंपनियों को अपने कार्यशील पूंजी चक्र को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी ।

सीआईएल ने इस वर्ष के अप्रैल महीने से गैर बिजली क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए भी ऐसी ही एक व्यवस्था शुरु की है। इससे बाजारों में कोयले की उपलब्धता को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही कोयला उभोक्ताओं को भी बहुप्रतीक्षित राहत मिलेगी।

***

एएम/एमएस

(रिलीज़ आईडी: 1612460) आगं□ुक पटल : 107

इ□ विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Marathi , Bengali , Manipuri , Punjabi , Tamil , Telugu , Kannada